सी.एम.कॉलेज दरभंगा के संस्कृत विभाग में चल रहे अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र (संस्कृताध्ययन केन्द्र) की रूपरेखा

भारतीय ज्ञान-विज्ञान तथा दर्शन की शास्त्रीय परम्परा को चिरकाल से पुष्ट करने वाली संस्कृत भाषा के अध्ययन हेतु सभी वर्गों के लोगों के द्वारा आकाङ्क्षा प्रकट की जाती रही है । परन्तु औपचारिक शिक्षा व्यवस्था तथा कार्यालयीय नियमों/बन्धनों के कारण उत्सुक व्यक्तियों का भी संस्कृत का अध्ययन सम्भव नहीं हो पाता है। अत एव जन आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु भारत शासन के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के तत्वावधान में सञ्चालित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा देश के उत्कृष्ट अभियांत्रिक, चिकित्सकीय, एवं संगणकीय शिक्षा संस्थानों, विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में “अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों” का सञ्चालन किया जा रहा है। इन केन्द्रों में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से प्रकाशित सचित्र पाठ्यसामग्रियों के माध्यम से प्रशिक्षित शिक्षकों के द्वारा सरलतम पद्धति से संस्कृत भाषा सिखाई जाती है ।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र की कार्यशैली

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरलतम प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान - विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की सङ्कल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा “ अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण” का आरम्भ किया गया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, संसद के अधिनियम के द्वारा संस्थापित बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। भारत के विभिन्न राज्यों में इसके अपने 13 परिसर हैं। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजना के अधीन 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों, 04 आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों तथा अनेकों शैक्षिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । अपने स्थापना काल 15 अक्टूबर 1970 से (तत्कालीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) अखिल भारत स्तर पर संस्कृत के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित यह विश्वविद्यालय, वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, न्याय, वेदान्त, मीमांसा, पुराणेतिहास, साङ्ख्ययोग, जैनदर्शन तथा बौद्धदर्शन में प्राक्शास्त्री (+2), शास्त्री (B.A.), आचार्य (M.A.) तथा विद्यावारिधि (Ph.D.) के छात्रों को यू.जी.सी. के मानक के अनुसार पारम्परिक शिक्षा प्रदान करता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी कतिपय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन करता है। इसके साथ शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) एवं शिक्षाचार्य (M.Ed.) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं। इन पारम्परिक

उपाधि पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय विभिन्न राज्यों में सञ्चालित अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के द्वारा जनसामान्य को संस्कृत सिखाता है।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के पाठ्यक्रमों के नाम

इन केन्द्रों में दो पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। जिनमें प्रथम पाठ्यक्रम का नाम 'संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमः ' है तथा द्वितीय पाठ्यक्रम का नाम 'संस्कृतभाषा- दक्षता - पाठ्यक्रमः ' है ।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

क. ये क्रेडिट आधारित अंशकालिक पाठ्यक्रम हैं। इस पाठ्यक्रम में न्यूनातिन्यून 120 घण्टे का समय अपेक्षित है।

ख. 2023-24 शैक्षिक सत्र में इनकी अवधि 15 जुलाई, 2023 से 15 मई 2024 तक है।

पाठ्यक्रम

I. संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमः' (8 Credits) इस पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'प्रथमा दीक्षा' (First Level) निर्धारित है। इसमें पाँच पुस्तकें- वर्णमाला, वाक्यव्यवहारः, वाक्यविस्तरः, सम्भाषणम् तथा परिशिष्टम् हैं। इनका अध्यापन सरल संस्कृत में कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 120 घण्टे का समय अपेक्षित है।

II. संस्कृतभाषा दक्षता- पाठ्यक्रमः' (12 Credits) - इस पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृतविश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'द्वितीया दीक्षा' (Second Level) के प्रारम्भिक पाँच स्तबक निर्धारित हैं। इसके अन्तर्गत 'व्यवहारप्रदीपः ' पुस्तक में सङ्कलित संस्कृत के सुभाषित, कहानियों तथा विभिन्न प्रकार के विशिष्ट अभ्यासों के द्वारा संस्कृत के सामान्य व्याकरण की शिक्षा दी जाती है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 150 घण्टे का समय अपेक्षित है।

केन्द्र में अध्यापन हेतु समय सारिणी का निर्धारण अध्येताओं की सुविधानुसार किया जा सकता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा पाठ्यसामग्री (प्रथमा दीक्षा तथा द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध कराई जाती है। यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित संस्कृत / योग / आयुर्वेद / विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में अध्ययन करने के बाद अध्येता 'मुक्तस्वाध्यायपीठम्' (Institute of Open and Distance Education) के द्वारा संचालित विविध संस्कृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है।

वर्ष/सत्र में किये गये कार्यक्रमों की रूपरेखा

सी.एम.कॉलेज दरभङ्गा में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र में अगस्त 2022 से श्री अमित कुमार झा द्वारा संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम एवं संस्कृत भाषा दक्षता पाठ्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। दोनो पाठ्यक्रमों की रूपरेखा इस प्रकार है-

I.संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम:' (8 Credits) इस पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'प्रथमा दीक्षा' (First Level) निर्धारित है। इसमें पाँच पुस्तकें- वर्णमाला, वाक्यव्यवहारः, वाक्यविस्तरः, सम्भाषणम् तथा परिशिष्टम् हैं। इनका अध्यापन सरल संस्कृत में कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 120 घण्टे का समय अपेक्षित है।

II.संस्कृतभाषा दक्षता- पाठ्यक्रम:' (12 Credits) - इस पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृतविश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 'द्वितीया दीक्षा' (Second Level) के प्रारम्भिक पाँच स्तबक निर्धारित हैं। इसके अन्तर्गत 'व्यवहारप्रदीपः ' पुस्तक में सङ्कलित संस्कृत के सुभाषित, कहानियों तथा विभिन्न प्रकार के विशिष्ट अभ्यासों के द्वारा संस्कृत के सामान्य व्याकरण की शिक्षा दी जाती है। इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने हेतु न्यूनातिन्यून 150 घण्टे का समय अपेक्षित है।

विभिन्न आयोजित कार्यक्रमों का सचित्र विवरण

❖ संगोष्ठी सह पुस्तक वितरण समारोह

दिनांक 20.01.2023 को संस्कृत विभाग सी.एम.कॉलेज दरभंगा के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृत शिक्षण का महत्त्व विषयक गोष्ठी सह पुस्तक वितरण समारोह का आयोजन प्रधानाचार्य महोदय की अध्यक्षता में महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में निम्न गणमान्य उपस्थित रहे-

नाम -

डॉ. अनिल कुमार मण्डल (प्रधानाचार्य)
डॉ. जयशंकर झा (मुख्य वक्ता)
डॉ. प्रभात कुमार चौधरी
डॉ. मयंक श्रीवास्तव
श्री अमित कुमार झा
डॉ. संजीत कुमार झा
डॉ. रूपेन्द्र कुमार झा
डॉ. विकास कुमार
श्री यादवेन्द्र सिंह
डॉ. सुब्रत कुमार दास
श्री आलोक रंजन

❖ संस्कृत दिवस समारोह-

आज दिनांक 26/08/2023 को विभाग में संस्कृत दिवस मनाया गया इस कार्यक्रम में निम्न गणमान्य उपस्थित रहे।

डॉ. संजीत कुमार झा (विभागाध्यक्ष)
डॉ. रूपेन्द्र झा (अध्यापक हिन्दी)
डॉ. शशिभूषण भट्ट (अतिथि अध्यापक)
श्री अमित कुमार झा (संस्कृत प्रशिक्षक)
डॉ. सुरेन्द्र भारद्वाज (अध्यापक मैथिली)

इस आयोजन में निम्न बिन्दुओं पर विचार हुआ

1. संस्कृत के प्रचार-प्रसार पर विमर्श
2. रोजगार की दृष्टि से संस्कृत वाङ्मय की उपादेयता
3. छात्रों में संस्कृत भाषा एवं वाङ्मय के प्रति रुचि जाग्रित हो इस पर विमर्श

इस कार्यक्रम में विभागीय छात्रों की भी उपस्थिति रही तथा छात्रों को एक-एक पुस्तिका दी गयी।

❖ दस दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर उद्घाटन समारोह-

इसी क्रम में दिनांक 04/09/2023 को 10 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया, इसका उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. सुरेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में निम्न गणमान्य उपस्थित रहे-

नाम -

डॉ. प्रो. सुरेन्द्र प्रताप सिंह (मा.कुलपति,ल.ना.मि.वि.दरभंगा)
डॉ. मुश्ताक अहमद (प्रधानाचार्य)
प्रो.देवनारायण झा (मुख्य वक्ता)
डॉ. कृष्णकान्त झा (शाश्वत अतिथि)
डॉ. श्रवण कुमार (विशिष्ट अतिथि संस्कृत भारती)
डॉ. संजीत कुमार झा (विभागाध्यक्ष)
डॉ. शशिभूषण भट्ट (अतिथि अध्यापक)
श्री अमित कुमार झा (संस्कृत प्रशिक्षक)
डॉ. रूपेन्द्र झा (अध्यापक हिन्दी)
डॉ. सुरेन्द्र भारद्वाज (अध्यापक मैथिली)

इसके अतिरिक्त संस्कृत विभाग के छात्र छात्रा एवं अन्य-अन्यान्य विभाग के सौभाग्य छात्रों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। इस बैठक में संस्कृत भाषा के महत्त्व एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया।

❖ दस दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर समापन समारोह-

इसी क्रम में दिनांक 16/09/2023 को 10 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का समापन कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा के माननीय कुलपति प्रो.शशिनाथ झा के द्वारा किया गया।

❖ **छात्र प्रबोधन सह पुस्तक वितरण कार्यक्रम-**

दिनांक 05/12/2023 को संस्कृत विभाग सी.एम.कॉलेज में छात्र प्रबोधन सह पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में निम्न गणामान्य उपस्थित रहे।

डॉ. विनय कुमार मिश्र (प्रसिद्ध सर्जन)
डॉ. मुश्ताक अहमद (प्रधानाचार्य)
डॉ. संजीत कुमार झा (विभागाध्यक्ष)
डॉ. शशिभूषण भट्ट (अतिथि अध्यापक)
श्री अमित कुमार झा (संस्कृत प्रशिक्षक)

नयी पीढ़ी को जड़ से जोड़ने वाली भाषा है संस्कृत

संस्कृत साहित्य एवं शास्त्रों में भारतीय संस्कृति का मूल निहितः प्रधानाचार्य

सीएम कॉलेज में छात्र प्रबोधन सह पुस्तक वितरण कार्यक्रम

प्रतिनिधि, दरभंगा.

छात्रा को पुस्तक देते प्रधानाचार्य प्रो. मुश्ताक अहमद एवं अन्य.

संस्कृत साहित्य एवं शास्त्रों में भारतीय संस्कृति का मूल निहित है. नयी पीढ़ी को जड़ से जोड़ने वाली भाषा केवल संस्कृत है. अपनी सभ्यता एवं संस्कृति से जुड़ना है, तो इसके लिए संस्कृत से जुड़ना ही होगा. यह बातें केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा सीएम कॉलेज में संचालित अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केंद्र की ओर से आयोजित छात्र प्रबोधन सह पुस्तक वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रधानाचार्य प्रो. मुश्ताक़ अहमद ने कही. सर्जन डॉ विनय कुमार मिश्र ने कहा कि शल्य चिकित्सा के जनक महर्षि सुश्रुत हैं. उन्होंने संस्कृत भाषा में सुश्रुत संहिता लिखकर सर्जरी के विभिन्न विषयों का प्रतिपादन किया. जिस समय कोई आधुनिक तकनीक नहीं थी, उस समय उन्होंने चिकित्सकों द्वारा सर्जरी के दौरान उपयोग में लाये जाने वाले 16 प्रकार के उपकरणों का वर्णन किया है. चरक मुनि द्वारा संस्कृत में लिखित चरकसंहिता तो चिकित्सा शास्त्र का आधार ही है. इसके बिना आधुनिक चिकित्सा शास्त्र भी अधूरा ही माना जायेगा.

50 छात्रों के बीच पुस्तक का वितरण

डॉ संजीत कुमार झा ने अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केंद्र के महत्व को रेखांकित किया. कहा कि यहां दसवीं पास कोई भी व्यक्ति नामांकन करवाकर संस्कृत सीख सकता है. हर वर्ष यहां सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा प्रोग्राम के लिए नामांकन होता है. इसमें छात्र, शिक्षक, व्यवसायी एवं समाज के अन्य लोग नामांकन करवाकर संस्कृत सीख रहे हैं. कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं अमित झा के वैदिक मंगलाचरण से हुआ. छात्र अभिजीत कुमार स्वागत गीत प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में करीब 50 छात्रों के बीच पुस्तक वितरण किया गया. धन्यवाद ज्ञापन डॉ शशिभूषण भट्ट ने किया.

छात्र जदयू ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियानः दरभंगा. छात्र जदयू के लनामिवि इकाई अध्यक्ष आसिफ कमाल के नेतृत्व में सीएम साइंस कॉलेज, एमएलएसएम कॉलेज व केएस कॉलेज में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया. अध्यक्ष ने छात्र-छात्राओं से कहा कि मतदाता सूची में अपना नाम जरूर दर्ज करवाएं. मौके पर ओम प्रकाश कुमार, मो. बेलाल, दुर्गानंद कुशवाहा, अमित कुमार सिंह, चंदन कुमार, श्याम कुमार, सोहराब, रजा, मोहम्मद अफसार, कृष्ण कुमार पासवान, रोशन कुमार, मो. सरफराज, मो. आगाज आदि मौजूद थे.

'जयतु संस्कृतम, जयतु भारतम'

'जयतु संस्कृतम, जयतु भारतम'

❖ संस्कृत दिवस समारोह-

आज दिनांक 16/08/2024 को विभाग में संस्कृत दिवस मनाया गया इस कार्यक्रम में निम्न गणमान्य उपस्थित रहे।

डॉ. संजीत कुमार झा (विभागाध्यक्ष)
डॉ. शशिभूषण भट्ट (अतिथि अध्यापक)
श्री अमित कुमार झा (संस्कृत प्रशिक्षक)
डॉ. रूपेन्द्र झा (अध्यापक हिन्दी)
डॉ. सुरेन्द्र भारद्वाज (अध्यापक मैथिली)

इस आयोजन में निम्न बिन्दुओं पर विचार हुआ

4. संस्कृत के प्रचार-प्रसार पर विमर्श
5. रोजगार की दृष्टि से संस्कृत वाङ्मय की उपादेयता
6. छात्रों में संस्कृत भाषा एवं वाङ्मय के प्रति रुचि जाग्रित हो इस पर विमर्श

इस कार्यक्रम में विभागीय छात्रों की भी उपस्थिति रही तथा छात्रों को एक-एक संस्कृत-रसप्रश्नाः नामक पुस्तिका दी गयी।

❖ दस दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर उद्घाटन समारोह-

1. इसी क्रम में दिनांक 10/09.2024 को 10 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा के माननीय प्रो.सुरेश्वर झा द्वारा किया गया।

❖ दस दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर समापन समारोह का सचित्र विवरण

इसी क्रम में दिनांक 1/10/2024 को संस्कृत विभाग में 10 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का समापन किया गया। इस समापन समारोह में प्रतिभागियों के अतिरिक्त निम्न गणमान्यों की उपस्थिति रही।

डॉ.संजीत कुमार झा (विभागाध्यक्ष)
डॉ.शशिभूषण भट्ट (संयोजक)
श्री अमित कुमार झा (संस्कृत प्रशिक्षक)
डॉ. आलोक कुमार रॉय (हिन्दी सहायक प्राध्यापक)

इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपना परिचय एवं अनुभव संस्कृत भाषा में प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष, संयोजक, प्रशिक्षक एवं हिन्दी प्राध्यापक द्वारा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन एवं भाषा के नित्य प्रति प्रयोग करने की सलाह दी गयी। हिन्दी, उर्दु, अंग्रेजी एवं अन्य विभागों के छात्र इस संस्कृत सम्भाषण कार्यशाला में प्रतिभागी बने।

हिन्दुस्त

संस्कृत का ज्ञान कार्य क्षेत्र में बनाता विशिष्ट

सीएम कॉलेज में मंगलवार को छात्र–छात्राओं के साथ उपस्थित डॉ. संजीत कुमार झा व अन्य।

- मुस्लिम छात्राएं भी दक्ष हुई संस्कृत बोलने में
- संस्कृत संभाषण शिविर का समापन

दरभंगा, नगर संवाददाता। सीएम कॉलेज में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संस्कृत अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संस्कृत संभाषण शिविर मंगलवार को संपन्न हो गया। समापन समारोह में संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. संजीत कुमार झा ने कहा कि संस्कृत भाषा में निहित ज्ञान-विज्ञान इस यांत्रिक युग में भी मनुष्य को संवेदनशील बनाने में पूरी तरह सक्षम है।

डॉ. झा ने कहा कि संस्कृत का ज्ञान व्यक्ति कों अपने कार्य क्षेत्र में विशिष्टता भी प्रदान करता है। इंजीनियरिंग, चिकित्सा, खगोल, भूगोल, इतिहास, राजनीति, कृषि आदि समस्त क्षेत्रों में विभिन्न प्राचीन भारतीय विचार एवं अवधारणा से युक्त ग्रन्थ इस भाषा में उपलब्ध है, जिसे पढ़कर व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र में भी भारतीय प्राचीन ज्ञान परम्परा को रेखांकित कर पूरे विश्व में अपना एवं देश का नाम रौशन कर सकता है। संयोजक डॉ. शशिभूषण भट्ट ने छात्रों को प्रतिदिन कक्षा आने के लाभ बताते हुए रुपका एवं शहाना जैसी मुस्लिम छात्राओं के संस्कृत सीखने एवं कार्यक्रम में बोलकर प्रदर्शित करने की सराहना की। प्रशिक्षक अमित कुमार झा ने सीखी हुई चीजों को प्रतिदिन प्रयोग करते रहने की सलाह प्रतिभागियों को दी। स्नातक द्वितीय सेमेस्टर के छात्र अभिजीत कुमार ने कार्यक्रम का संचालन तथा रश्मि कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन भी संस्कृत में ही किया। कार्यक्रम में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अभ्यास के उद्देश्य

केन्द्र में अध्यापन हेतु समय सारिणी का निर्धारण अध्येताओं की सुविधानुसार किया जा सकता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा पाठ्यसामग्री (प्रथमा दीक्षा तथा द्वितीया दीक्षा) उपलब्ध कराई जाएगी। यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित संस्कृत / योग / आयुर्वेद / विविध दूरस्थशिक्षा पाठ्यक्रमों में प्रगत अध्ययन हेतु अपेक्षित प्राथमिक ज्ञान प्रदान करेगा। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में अध्ययन करने के बाद अध्येता 'मुक्तस्वाध्यायपीठम्' (Institute of Open and Distance Education) के द्वारा संचालित विविध संस्कृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है।

सफलता का प्रमाण

संस्कृत भाषा प्रमाण पत्रीय पाठ्यक्रम एवं संस्कृत भाषा दक्षता प्रमाण पत्र, इन पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत सत्र 2022-23 में 39 विद्यार्थियों ने नामाङ्कन लिया । जिसमें 10 महाविद्यलीय शिक्षक शामिल थे। इन पाठ्यक्रम की सफलता दर शत प्रतिशत रही।

सत्र 2023-24 में 38 विद्यार्थियों ने नामाङ्कन लिया एवं इसकी सफलता दर शत प्रतिशत रही।

सत्र 2024-25 में 56 विद्यार्थियों का नामाङ्कन हुआ।